भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2075

12 मार्च, 2025 के लिए प्रश्न

इथेनॉल उत्पादन

2075. श्री मनीष जायसवाल:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) इथेनॉल के उत्पादन में कार्यरत कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(ख) भविष्य में इथेनॉल के उपयोग के संभावित क्षेत्र कौन-कौन से हैं;

(ग) क्या इथेनॉल उत्पादक कंपनियों को कच्चे माल की निर्बाध उपलब्धता की सुविधा प्रदान करने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

(क): भारत सरकार पूरे देश में इथेनॉल सम्मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम लागू कर रही है, जिसमें तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) इथेनॉल सम्मिश्रित पेट्रोल बेचती हैं। ईबीपी कार्यक्रम के तहत, सरकार ने इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025-26 तक पेट्रोल के साथ इथेनॉल के 20% सम्मिश्रण का लक्ष्य तय किया है।

कार्यक्रम के तहत, केंद्र सरकार ने ईबीपी कार्यक्रम के तहत इथेनॉल उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए अन्य बातों के साथ-साथ विभिन्न कदम उठाए हैं, जिसमें विभिन्न प्रकार के फीडस्टॉक से इथेनॉल का उत्पादन; वर्ष 2018-22 के दौरान विभिन्न इथेनॉल ब्याज

सहायता योजनाओं का कार्यान्वयन; सहकारी चीनी मिलों के लिए एक नई योजना दिनांक 06.03.2025 को उनके मौजूदा गन्ना आधारित संयंत्रों को बहु-फीड आधारित इथेनॉल संयंत्रों में परिवर्तित करने के लिए अधिसूचित करना; ओएमसी को आपूर्ति के लिए विभिन्न फीड-स्टॉक से उत्पादित इथेनॉल की लाभकारी कीमतों का निर्धारण; इथेनॉल सम्मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के तहत इथेनॉल उत्पादन के लिए मक्का को प्रमुख फीडस्टॉक के रूप में बढ़ावा देना; समर्पित इथेनॉल संयंत्रों (डीईपी) के साथ तेल विपणन कंपनियों द्वारा दीर्घकालिक कुल खरीद समझौते (एलटीओए) आदि शामिल हैं।

(ख): इथेनॉल के पेट्रोल के साथ सम्मिश्रण के अलावा, इथेनॉल का उपयोग, वहनीय विमानन ईंधन (एसएएफ) के उत्पादन के लिए किया जा सकता है।

(ग) और (घ): राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति, 2018 के तहत, सरकार पेट्रोल में सम्मिश्रण के लिए इथेनॉल के उत्पादन के लिए गन्ना, मक्का, क्षतिग्रस्त खाद्यान्न, मीठा ज्वार, चुकंदर आदि जैसे विभिन्न फीडस्टॉक की अनुमति देती है। इथेनॉल के उत्पादन के लिए सरकार द्वारा मक्का को बढ़ावा देने के कारण, मक्का तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को आपूर्ति किए जाने वाले इथेनॉल का प्रमुख योगदानकर्ता रहा है। इसके अलावा, यह उम्मीद की जाती है कि मौजूदा ईएसवाई 2024-25 में अनाज से इथेनॉल उत्पादन का हिस्सा 60% से अधिक हो सकता है।

इसके अलावा, सरकार भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास अतिरिक्त चावल उपलब्ध होने पर इथेनॉल उत्पादन के लिए एफसीआई चावल की बिक्री की अनुमति देती है।